an>

title: Need to bring a health insurance policy for the benefit of common man in the country.

श्री राकेश सिंह (जबलपुर) : हमारे देश में आजादी के बाद से ही आम आदमी बुनियादी जरूरतों के लिए तरसता रहा है। वर्षों के बाद आज आमजन के मन में सरकार के प्रति उम्मीद की किरण जागी है। मैं सरकार का ध्यान देश की स्वास्थ्य सुविधाओं की ओर दिलाना चाहता हूं। देश में इलाज के लिए छोटे-बड़े सरकारी और निजी अस्पताल मौजूद है। सरकारी अस्पतालों में निश्चित ही मध्यम व निम्न आय वर्ग के लोग इलाज के लिए जाते हैं। अधिसंख्य आबादी इस वर्ग की होने के कारण सरकारी अस्पतालों में भीड़ होना स्वाभाविक है। शासकीय अस्पतालों में इलाज तो होता है किंतु सीमित इंफ्रास्ट्रक्चर और चिकित्सकों की कमी के कारण मरीकों का समुचित उपचार नहीं हो पाता है तथा इलाज में देरी भी होती है। जिसके कारण मर्ज और कष्ट बढ़ता चला जाता है और फिर इनमें से कुछ मरीज जो थोड़े सक्षम होते हैं। हिम्मत जुटाकर निजी अस्पतालों की शरण में चले जाते हैं। शासकीय अस्पतालों में लोग आर्थिक तंगी के कारण मजबूरी में जाते हैं। सरकार से अपेक्षा यही है कि कम से कम आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों को भी स्वाभिमान के साथ पूरा उपचार तो मिले। बीमा के क्षेत्र में लोगों में जागरूकता आई है और आर्थिक रूप से सक्षम लोग मेडिक्लेम जैसी पॉलिसी ले रहे हैं। लेकिन इसे भी वही लोग अपना रहे हैं जो पॉलिसी का भारी प्रीमियम देने की हैसियत रखते हैं। इस कारण से मध्यम और निम्न आय वर्ग के लोग ऐसे बीमा के प्रति जागरूकता होने के बावजूद पॉलिसी नहीं ले पाते हैं। केन्द्र के शासकीय कर्मचारियों के लिए सी.जी.एच.एस. जैसी स्वास्थ्य योजना चल रही है जिसमें वे अल्प राशि का भुगतान कर सरकारी अथवा निजी अस्पतालों में उपचार की सुविधा लाभ उठा पाते हैं। किंतु राज्यों के कर्मचारियों और आमजनों के लिए देश में ऐसी कोई योजना सरकार की ओर से नहीं बनी है। बीमा के क्षेत्र में भी असीम संभावनाएं हैं और इसलिए मेरा सरकार से आग्रह है कि एक ऐसी स्वास्थ्य बीमा योजना बनाई जाए जिसका लाभ स्वाभिमान से देश का हर नागरिक उठा सके। इससे राज्यों में स्थित शासकीय अस्पतालों में भीड़ भी कम होगी, लोगों के पास निजी अस्पतालों का विकल्प भी होगा और मरीजों को गुणवत्तापूर्ण उपचार भी मिल सकेगा।